बर्बादी के तीन सरकारी ठेके, जहां लाइसेंस खुद आदमी देता है!

इंसान की जिंदगी बिगाड़ने के लिए हमेशा किसी दुश्मन की जरूरत नहीं होती। कई बार अपने ही शौक घर की खुशहाली पर ऐसा छापा मारते हैं कि जेब, सेहत, सुकून और रिश्ते–सब धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगते हैं। दारू, जुआ और दो उंगली का कुआं ऐसे ही तीन शौक हैं, जिनकी शुरुआत आदमी अपनी मर्जी से करता है, लेकिन अंत में यही आदतें उससे ऐसी फीस वसूलती हैं, जिसकी कोई रसीद नहीं मिलती।

सबसे पहले दारू की बात। यह वह जादुई पानी है, जिसे गले से नीचे उतारते ही कुछ लोगों के भीतर का प्रधानमंत्री जाग जाता है। जेब में पचास रुपये हों, लेकिन बातचीत ऐसी कि देश की अर्थव्यवस्था इनके इशारे पर चल रही हो। दुनिया की सारी समस्याओं का समाधान उसी रात निकल आता है। मगर सुबह होते ही प्रधानमंत्री पद चला जाता है, सिर में भूकंप आने लगता है और जेब की अर्थव्यवस्था दिवालिया घोषित हो जाती है। घर में अलग सवाल-जवाब और कभी-कभी झाड़ू-बेलन से लोकतांत्रिक स्वागत भी हो जाता है। रात का शेर सुबह बिल्ली भी मुश्किल से बन पाता है–और वह भी ऐसी बिल्ली, जिसे अपनी ही दहाड़ पर पछतावा हो।

दारू का असर केवल जेब और शरीर तक सीमित नहीं रहता। जब नशे के साथ घर का तनाव बढ़ता है, तो आदमी अक्सर अपनी परेशानी से बचने के लिए उसी आदत का सहारा लेने लगता है, जिसने परेशानी पैदा की थी। यही चक्र धीरे-धीरे जीवन का नियंत्रण अपने हाथ में ले लेता है। इसी तरह जुआ भी उम्मीद के नाम पर नुकसान का रास्ता खोलता है।

जुआ ऐसा कारोबार है, जिसमें आदमी बिना मेहनत अमीर बनने का सपना लेकर बैठता है और मेहनत की कमाई गंवाकर उठता है। पत्तों की बाजी हो या खेल के नाम पर पैसे लगाने का मोह, हर बार लगता है कि इस बार किस्मत पलट जाएगी। हारने पर अगली बाजी में पिछला नुकसान निकालने की कसम खाई जाती है। फिर अगली बाजी, फिर अगला नुकसान। आखिर में जेब खाली और दिमाग में एक ही सवाल–यार, हुआ क्या?

जुए का गणित भी बड़ा सुविधाजनक है। जीतने पर आदमी अपनी समझदारी का ढोल पीटता है और हारने पर किस्मत, ग्रह-नक्षत्र या हालात को दोष देता है। यानी जीत का श्रेय खुद का और हार की जिम्मेदारी किसी और की। यही भ्रम उसे बार-बार उसी मेज पर वापस ले आता है, जहां हर अगली बाजी पिछली गलती को सुधारने के बजाय नुकसान बढ़ाती जाती है।

इन दोनों आदतों के बीच तीसरा साथी है–दो उंगली का कुआं। बीड़ी, सिगरेट और तंबाकू का यह छोटा-सा सहारा धीरे-धीरे बड़ी कीमत वसूलता है। दो उंगलियों के बीच सुलगती सिगरेट देखकर कुछ लोगों को लगता है कि उनके भीतर कोई बिजलीघर चल रहा है। धुआं ऐसे छोड़ा जाता है, मानो दुनिया की सारी चिंताएं उसी के साथ हवा हो जाएंगी। मगर धुआं उड़ता है, पैसा जलता है और नुकसान शरीर को उठाना पड़ता है। ऊपर से आसपास बैठे लोगों को भी मुफ्त में धुएं का प्रसाद मिलता है। खर्च अपना, नुकसान अपना और परेशानी दूसरों की भी–यह कैसी उदारता है, जिसमें दानदाता और पीड़ित दोनों वही हों?

जब ये तीनों आदतें एक ही इंसान की जिंदगी में जगह बना लेती हैं, तो असर केवल व्यक्तिगत नहीं रहता। एक तरफ नशे में उड़ते रुपये, दूसरी तरफ जुए में डूबती कमाई और तीसरी तरफ सेहत पर पड़ती चोट–इन सबके बीच घर का बजट बिगड़ता है, भरोसा कमजोर होता है और रिश्तों में तनाव बढ़ता है। आदमी अपनी परेशानियों से बचने के लिए उन्हीं आदतों का सहारा लेने लगता है, जिन्होंने परेशानी पैदा की थी। यह वैसा ही है जैसे घर में आग लगाकर धुएं से बचने के लिए उसी कमरे में बैठ जाना। विडंबना यह है कि लोग मोबाइल की बैटरी बचाने के लिए चार्जर ढूंढ़ते हैं, गाड़ी चलाते समय हेलमेट पहनते हैं और मोबाइल की स्क्रीन टूटने पर तुरंत कवर खरीद लेते हैं। लेकिन अपनी जिंदगी की ऊर्जा खत्म करने वाली आदतों से दूरी बनाने की कोशिश नहीं करते। जीवन टूटने लगे तो भी कहते हैं–÷अभी तो सब नियंत्रण में है।÷ यह नियंत्रण अक्सर उसी दिन दिखाई देता है, जिस दिन जेब, शरीर और रिश्ते तीनों इस्तीफा दे देते हैं। व्यंग्य अपनी जगह है, लेकिन सच्चाई यह है कि इन आदतों की कीमत केवल एक व्यक्ति नहीं चुकाता; उसका परिवार भी चुकाता है। इसलिए समझदारी इसी में है कि शौक पर लगाम रखी जाए, कमाई का सम्मान किया जाए और सेहत को धुएं में न उड़ाया जाए। मजाक तब तक ही अच्छा है, जब तक वह चेतावनी को ढक न दे; क्योंकि जिंदगी कोई ऐसा मंच नहीं, जहां हर गलती पर दोबारा पर्दा उठ जाए। याद रखिए, दारू हो, जुआ हो या दो उंगली का कुआं–शुरुआत आदमी अपने मन से करता है, लेकिन जब आदत उस पर हावी हो जाती है, तो वही उसकी जिंदगी का हिसाब लिखने लगती है। इसलिए शौक ऐसे पालिए, जो जिंदगी में रंग भरें; ऐसे नहीं, जो जिंदगी का रंग ही उड़ा दें।

‘अजय कुमार बियानी सेवानिवृत्त इंजीनियर

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ सांवेर में कांग्रेस का पैदल मार्च प्रदर्शन

ज्ञानेश गुप्ता का पुतला जलाने के बाद ली वोट के अधिकार की रक्षा की शपथ

सांवेर (राहुल प्रजापत)। नगर में मंगलवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सांवेर में पैदल मार्च प्रदर्शन करते हुए तहसील कार्यालय के समक्ष ज्ञानेश गुप्ता के खिलाफ नारेबाजी करने के बाद गुप्ता का पुतला दहन किया फिर कांग्रेस नेताओं ने देश के हर नागरिक के वोट के अधिकार की रक्षा की सामूहिक शपथ भी ली। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े के निर्देशन में मंगलवार को ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विक्रम चौधरी , नगर कांग्रेस अध्यक्ष रफीक अली के साथ पार्षद सूर्यकुमार ओस्तवाल की अगुआई में युकां के विधानसभा अध्यक्ष प्रदीपसिंह दरबार, ब्लाक युकांध्यक्ष शेखर चौधरी, पूर्व जपं सदस्य सलीम पटेल, पूर्व सरपंच सोहन कुमावत आदि नगर व क्षेत्र के कांग्रेसजन स्थानीय डाक बंगले के आगे डॉ अम्बेडकर प्रतिमा के समक्ष इकट्ठा हुए . यहाँ से कांग्रेस का व राष्ट्रीय झंडा लहराते व मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ नारे लिखी तख्तियां हाथों में प्रदर्शित करते हुए नारेबाजी करते जुलूस के रूप में तहसील मैदान पर पहुंचे .उक्त नेताओं के साथ पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष हाज़ी इशाक पठान , चंद्रावतीगंज के सरपंच प्रतिनिधि कमल पहलवान भैरवे, सुमित पटेल, पूर्व पार्षद हेमंतसिंह चौहान, मकबूल पटेल, राहुल बिलावालिया , राजेंद्र व्यास, जितेन्द्र सिसौदिया, राजेंद्र परमार, सोमेश्वर मालवीय, कुलदीप सुनानिया, संजू पटेल, राजेश जसोदिया, अंतरसिंह चौधरी, शंकरलाल रेवारी, सुनील मीणा, चिंतामणी परिहार, इरशाद पठान आदि कांग्रेसजनों ने भी विरोध प्रदर्शन करते हुए तहसील मैदान पर ज्ञानेश गुप्ता का पुतला जलाया. इसके बाद तहसील के गेट के आगे खड़े रहकर पार्षद सूर्यकुमार ओस्तवाल ने सभी कांग्रेसजनों को देश के हर नागरिक के वोट के अधिकार की रक्षा के लिए संघर्ष करने और वोट का अधिकार सुरक्षित रखने की सामूहिक शपथ ली .

खजराना गणेश मंदिर में पुजारियों का हुआ सम्मान

इंदौर। श्री खजराना गणेश मंदिर के मुख्य पुजारी अशोक भट्ट एवं उनके साथी पुजारियों का भव्य अभिनंदन किया गया। यह अभिनंदन पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ समाजसेवी सत्यनारायण पटेल तथा समाजसेवी मदन परमालिया द्वारा खजराना गणेश मंदिर परिसर पहुँचकर किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल एवं मदन परमालिया ने मंदिर में पूजा-अर्चना की और तत्पश्चात पुजारी अशोक भट्ट तथा उनके साथी पुजारियों को सम्मानित करते हुए उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

टर्नओवर दोगुना करने की संभावनाओं पर कार्य करे

इंदौर इंडो–अमेरिकन बिजनेस चैम्बर के इंदौर चैप्टर की वार्षिक संगोष्ठी का आयोजन चैम्बर के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय मिश्रा की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में सांसद शंकर लालवानी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

संगोष्ठी का मुख्य विषय लघु एवं मध्यम उद्योग क्षेत्र की आय एवं टर्नओवर को दोगुना करने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श करना था। सांसद लालवानी ने इंदौर के उद्योगों को निर्यात के क्षेत्र में बढ़ावा देने, नवाचार (इनोवेशन) को प्रोत्साहित करने तथा आयात पर निर्भरता कम करने जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर कार्य करने के सुझाव दिए। डॉ. अजय मिश्रा ने सभी स्स्ध्र उद्यमियों को अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने बताया कि चैम्बर के 15 देशों में सक्रिय कार्यालय हैं, जो संबंधित देशों की सरकारों के साथ जुड़े हुए हैं।

इंदौर चैप्टर के अध्यक्ष विनय कलानी ने उद्योगपतियों से कहा कि यदि वे किसी वस्तु या मशीनरी का आयात करते हैं, तो भारत में लाने के बाद उसकी रिवर्स इंजीनियरिंग करें, उसमें आवश्यक सुधार करें और उसके बाद उस वस्तु का उत्पादन भारत में ही करने का प्रयास करें। इससे स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और आयात पर निर्भरता निर्भरता कम होगी। विशेष अतिथि रमेश गुप्ता कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने बताया कि कैट के 9 करोड़ सदस्य है और देश के हर हिस्से में है । आपके सदस्यों को पूरा सहयोग कैट का मिलेगा

डॉ अजय मिश्राजी अंतरराष्ट्रीय चेयरमैन द्घ्ड्ड्ढ ने इंदौर चैप्टर अध्यक्ष विनय कालानी सीनियर उपाध्यक्ष विष्णु गोयल उपाध्यक्ष छ्ह.स्ड्ठ2ड्ड घ्ड्डद्य ह्यद्धड्डह्वद्ध शर्मा। ट्रेजरार तपन जैन सह सचिव संतोष वाधवानी। महिला विंग की अध्यक्ष पल्लवी व्यास सचिव मीनाक्षी गोयल। यूथ विंग के अध्यक्ष वरुण पोरवाल उपाध्यक्ष जश्न गुप्ता। को। शपथ दिलाई ।

टक-टकी लगाए कब से तेरा इंतजार कर रही हूं, पता नहीं कब दर्शन देने आओगी। मुझे मालूम है कि बाल हठ के आगे तुझे झुकना ही पड़ेगा। मां जैसे कोमल हृदय किसी का नहीं है। मां दुर्गा तुझे दर्शन देने आना ही होगा।

माँ बिजासन माता सेवा मंडल 30 वर्षों से कर रहा फलाहारी प्रसाद वितरण

इंदौर। माँ बिजासन माता सेवा मंडल द्वारा पिछले 30 वर्षों से निरंतर माता भक्तों की सेवा की जा रही है। नवरात्रि पर्व के दौरान मंडल की ओर से नौ दिनों तक फलाहारी हलवा प्रसाद का नि:शुल्क वितरण किया जाता है। इसके साथ ही माता बिजासन टेकरी आने वाले श्रद्धालुओं के लिए नि:शुल्क जूता–चप्पल स्टैंड और शीतल जल की व्यवस्था भी की जाती है।

सेवा मंडल के कप्तान सुभाष कापसे ने बताया कि लगभग 30 वर्ष पूर्व माँ बिजासन माता की प्रातःकालीन आरती में नियमित रूप से शामिल होने वाले 10 से 12 सदस्यों के समूह से इस सेवा कार्य की शुरुआत हुई थी। उस समय मंदिर के पुजारी ने सदस्यों को नवरात्रि में आने वाले भक्तों के लिए प्रसाद वितरण करने की प्रेरणा दी। मंडल द्वारा नवरात्रि के दौरान नौ दिवसीय फलाहारी हलवा प्रसाद वितरण के साथ-साथ प्रत्येक रविवार को चलित भोजन प्रसादी का वितरण भी किया जाता है।

नवमी पर होगा विशेष भोजन प्रसादी वितरण

सुभाष कापसे ने बताया कि इस वर्ष भी नवरात्रि की नवमी तिथि पर प्रातःकालीन आरती के पश्चात चलित भोजन प्रसादी का वितरण किया जाएगा। इसमें रामभाजी, पूरी, नुकती और भजिये सहित अन्य प्रसादी सामग्री श्रद्धालुओं को वितरित की जाएगी। यह आयोजन माँ बिजासन माता टेकरी के पैदल मार्ग पर किया जाएगा।

अग्रवाल समाज समृद्ध राष्ट्र के नवनिर्माण में बन रहा भागीदार

इन्दौर, । राष्ट के नवनिर्माण में अग्रवाल समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। व्यापार-व्यवसाय, चिकित्सा, शिक्षा और राजनीति के साथ सेवा के क्षेत्र में भी अग्रवाल समाज ने हर अवसर पर आगे बढ़कर अपना योगदान किया है। प्रसन्नता इस बात की भी होना चाहिए कि 5150 वर्षों बाद भी महाराजा अग्रसेन के सिद्धांतों पर चलकर अग्रवाल समाज खुद भी आगे बढ़ रहा है और अन्य समाजों को भी अपने साथ लेकर समृद्ध राष्ट के नवनिर्माण में भागीदार बना हुआ है। ये विचार हैं वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी और पूर्व पुलिस महानिरीक्षक डॉ. महेंद्रसिंह सिकरवार के, जो उन्होंने सांसद शंकर लालवानी के मुख्य आतिथ्य में अग्रसेन महासभा द्वारा आयोजित अग्रसेन जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में यशवंत निवास रोड, ओएसिस टावर स्थित महासभा के कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में महाराजा अग्रसेन का चित्र पूजन कर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए व्यक्त किए। महासभा के अध्यक्ष राजेश जिंदल, सचिव अनूप सिंघल 420 पापड़, अरुण आष्टावाले एवं अन्य पदाधिकारियों ने प्रारम्भ में अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम संयोजक सीए एसएन गोयल एवं गोपाल गुप्ता ने बताया कि इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी प्रेमचंद गोयल, पीडी अग्रवाल

स्वाहाकार की मंगल ध्वनि से गूंज रहा श्रीविद्याधाम परिसर

इंदौर। विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम पर महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य में चल रहे शारदीय नवरात्र महोत्सव में सग्रहमख सहस्त्र चंडी महायज्ञ में 21 विद्वानों के निर्देशन में आहुतियों का क्रम जारी है।

महायज्ञ में स्वाहाकार की मंगल ध्वनि से समूचा मंदिर परिसर गुंजायमान बना हुआ है। नवरात्रि के तृतीय दिवस मंगलवार को माँ चंद्रघंटा के रूप में मनोहारी श्रृंगार किया गया। मंदिर के गर्भगृह में माता रानी को 100 किलो चांदी के मंडप में विराजित किया गया है जिनके दर्शनार्थ मंदिर पर भक्तों का सैलाब उमड़ रहा है।

आश्रम परिवार के सुरेश शाहरा, पं. दिनेश शर्मा, सुश्री उमा शुक्ला एवं राजेन्द्र महाजन ने बताया कि आश्रम पर महासंकल्प, महाध्वज स्थापना, घट स्थापना, पंचाग कर्म एवं मंडल देवता की स्थापना पहले दिन ही हो चुकी है। अब शारदीय नवरात्रि में प्रतिदिन सुबह 7 बजे से वेदपाठ, सुबह 9 से 12 बजे तक सग्रहमख महायज्ञ, दोपहर 2 बजे दुर्गापाठ एवं शतचंडी महायज्ञ, शाम 5 बजे ललिता सहस्त्रनामावली से सहस्त्रार्चन तथा शाम 8.30 बजे महाआरती के आयोजन होंगे। इस 108 दीपों से होने वाली महाआरती में प्रतिदिन 2 हजार से अधिक श्रद्धालु शामिल होकर पुण्य लाभ ले रहे हैं वहीं माँ के नित्य नूतन श्रृंगार दर्शनों का लाभ भी प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु उठा रहे हैं। मंदिर स्थित मां भगवती के सभी स्वरूपों का मनोहारी श्रृंगार भी प्रतिदिन किया जा रहा है।

रॉयल रेजीडेंसी क्लब पर बंगाली परिधान में मातृशक्ति द्वारा की जा रही माँ की आराधना

इंदौर। पीपल्याहना, कालिंदी कुंज के पास स्थित रॉयल रेजीडेंसी पर गरबा महोत्सव का शुभारंभ बंगाली संस्कृति के प्रख्यात धुनुची नृत्य सहित गरबा की प्रस्तुति के साथ हुआ। क्लब के अध्यक्ष अमित गांगुली ने बताया कि इस नृत्य के माध्यम से रॉयल रेजीडेंसी क्लब की महिलाओं ने बंगाली परिधान में सज-धजकर माता रानी को अपने महोत्सव में पधारने का न्योता दिया। इस प्रस्तुति में सम्पूर्ण बंगाल की झलक देखने को मिली। उन्होंने बताया कि रॉयल रेजीडेंसी पर प्रतिदिन अलग-अलग परिधान में सजी-धजी मातृशक्ति द्वारा माता की आराधना की जाएगी। बालिकाओं द्वारा भी माँ दुर्गा के नवरूपों की प्रस्तुति सहित गरबों का आयोजन होगा।

माहेश्वरी कुटुम्ब का तीन दिवसीय गरबा रास महोत्सव शुरू

इंदौर, 13 अक्टूबर। संस्था माहेश्वरी कुटुम्ब की मेजबानी में माता की आराधना में इस बार भी परम्परागत गरबा रास महोत्सव का शुभारंभ मंगलवार को सुबह भव्य चुनरी यात्रा के साथ हुआ।

चुनरी यात्रा में गरबा महोत्सव में शामिल होने वाले 800 प्रतिभागी माता रानी के जयघोष करते हुए झूलेलाल मंदिर से अन्नपूर्णा मंदिर पहुंचे जहाँ उन्होंने 51 मीटर लम्बी चुनरी समर्पित कर समाज एवं शहर में सुख, शांति एवं सदभाव के लिए प्रार्थना की।

महोत्सव संयोजक शारदा-प्रकाश अजमेरा ने बताया कि स्कीम 71, रिंग रोड स्थित ब्लू लोटस गार्डन पर मंगलवार से तीन दिवसीय इस महोत्सव में बॉलीवुड, मारवाड़ी और गुजराती थीम पर अहमदाबाद की इवेंट टीम के मार्गदर्शन में इस गरबा रास की धूम मची रहेगी।

माहेश्वरी समाज के अनेक प्रमुख अतिथि भी महोत्सव में शामिल होकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करेंगे।

मंगलवार को सुबह अन्नपूर्णा मार्ग स्थित झूलेलाल मंदिर से अन्नपूर्णा मंदिर तक भव्य चुनरी यात्रा का आयोजन परम्परागत वाद्य यंत्रों की मंगल ध्वनि के बीच किया गया।

महोत्सव में शामिल होने वाले 800 से अधिक प्रतिभागियों ने लाल चुनरी एवं लहंगा पहनकर सज-धजकर मातारानी की जयघोष के बीच 51 मीटर लम्बी चुनरी समर्पित की।

इस अवसर पर अशोक इनानी, महेश मूंगड, मनोज छापरवाल, पुष्प माहेश्वरी, रुपेश भूतड़ा, मधुसूदन भल्लिका, वासुदेव मालू, देवेन्द्र बाहेती, श्रीमोहन सोमानी, कैलाश जाजू, राजेश गट्टानी, गोपाल राठी सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने प्रतिभागी महिलाओं की अगवानी की।

कार्यालय नगर पालिक निगम, इन्दौर

सी.टी./पी.टी.

निविदा सूचना

विज्ञप्ति क्रमांक: 46 | दिनांक: 08.10.2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

ग्रुप क्र.	1. टेंडर क्र. 2. जारी दिनांक	कार्य का नाम	1. कार्य की समयावधि 2. लागत	1. निविदा प्रपत्र का मूल्य 2. ई.एम.डी.	निविदा की अंतिम तिथि
01	2026_UAD_541867 08-10-2026	झोन क्र. 16 पितृ पर्वत स्थित 02 शौचालय हेतु ड्रेनेज लाईन एवं सेप्टीक टेंक का निर्माण करना।	3 माह ₹5,03,020/–	₹2,000/- ₹5,100/-	27–10–2026 (शाम 06:00 बजे तक) 28–10–2026
02	2026_UAD_541869 08-10-2026	झोन क्र. 19 वार्ड क्र. 76 के अंतर्गत भिचौली मर्दाना मुक्तिधाम एवं भिचौली मर्दाना तालाब के पास शौचालय का निर्माण करना। (चतुर्थ बार निविदा आमंत्रण)	4 माह ₹19,91,789/–	₹2000/- ₹15,000/-	27–10–2026 (शाम 06:00 बजे तक) 28–10–2026
03	2026_UAD_541872 08-10-2026	नगर पालिक निगम, इन्दौर क्षेत्रांतर्गत सक्षम आंगनवाडी (पोषण 2.0) अंतर्गत 11 विभागीय शौचालय विहिन भवनों में बाल सुलभ शौचालय का निर्माण करना। (द्वितीय बार निविदा आमंत्रण)	3 माह ₹3,96,000/–	₹2,000/- ₹4,000/-	15–10–2026 (शाम 06:00 बजे तक) 16–10–2026

नोट:– निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

प्रतिबंधित पॉलिथीन, कैरीबैग के निर्माण/ विक्रय/ उपयोग करने पर दंड व सजा का प्रावधान है।

कार्यपालन यंत्री
सी.टी./पी.टी.
नगर पालिक निगम, इन्दौर